एम.एच.डी.-22

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.ए. हिन्दी)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2021

एम.एच.डी.-22 : कबीर का विशेष अध्ययन

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *प्रथम प्रश्न **अनिवार्य** है । शेष प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*

1. निम्नलिखित पद्यांशों में से किन्हीं ***दो*** की सन्दर्भ-सहित व्याख्या कीजिए : *2×10=20*

(क) देखत नैन चल्या जग जाई ।। टेक ।।
इक लष पूत सवा लष नाती, ता रावन घरि दिया न बाती ।।
लंका सी कोट समंद सी खाईं, ता रावन की खबरि न पाई ।।
आवत संग न जात संगाती, कहा भयौ दरि बाँधे हाथी ।।
कहै कबीर अंत की बारी, हाथ झाड़ि जैसे चले जुवारी ।।

(ख) अनल अकाँसा घर किया, मधि निरंतर बास ।
बसुधा ब्यौम बिरकत रहै, बिनठा हर बिसवास ।।

(ग) विनसि जाइ कागद की गुड़िया,

जब लग पवन तबै लग उड़िया ।। टेक ।।

गुड़िया कौ सबद अनाहद बोलै, खसम लियै कर डोरी डोलै ।

पवन थक्यो गुड़िया ठहरानी, सीस धुनै धुनि रोवै प्राँनी ।।

कहै कबीर भजि सारंग पानी, नाहीं तर ह्वैहैं खैंचा तानी ।।

(घ) मेरे मन मैं पड़ि गई, ऐसी एक दरार ।

फटा फटक पषाँण ज्यूँ, मिल्या न दूजी बार ।।

2. कबीर की पूर्ववर्ती निर्गुण भक्ति परंपरा का परिचय दीजिए । *10*

3. कबीर की सामाजिक चेतना पर प्रकाश डालिए । *10*

4. 'कबीर वाणी के डिक्टेटर थे ।' कबीर की भाषा के संदर्भ में इस कथन की व्याख्या कीजिए । *10*

5. भारतीय नवजागरण में 'कबीर-चेतना' की भूमिका का आकलन कीजिए । *10*

6. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पर टिप्पणियाँ लिखिए : *2×5=10*

(क) कबीर की कविता में कर्मकांड का विरोध

(ख) कबीर के काव्य में अलंकार

(ग) शंकराचार्य और कबीर के अद्वैतवाद में अंतर

(घ) कबीर की कविता में लोकतत्त्व